राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में सतत् आंतरिक मूल्यांकन के अंतर्गत असाइनमेंट हेतु दिशा निर्देश

1. असाइनमेंट क्या है

महाविद्यालय में अध्ययनरत् विद्यार्थियों के लिये असाइनमेंट शिक्षकों द्वारा दिया गया एक अकादमिक कार्य/परियोजना है। जिसे विद्यार्थी नियमित कक्षाओं के गतिविधियों के अतिरिक्त अभ्यास, शोध या अपने पाठ्यक्रम से संबंधित विषयों पर कार्य/परियोजना/सर्वेक्षण इत्यादि पूर्ण करते हैं।

2. असाइनमेंट के उद्देश्य

- विद्यार्थियों में रचनात्मकता, समालोचना, आलोचनात्मक सोच विकसित करने के साथ ही उनमें वैज्ञानिक सोच को बढ़ावा देना है।
- विद्यार्थियों में अनुभावात्मक एवं अंर्तविषयक शिक्षा को प्रोतसाहित करना तथा सक्रीय नागरिगकता एवं पर्यावरण के प्रति व्यवहारिकता/जागरूकता को बढ़ावा देना।
- असाईनमेंट के द्वारा विद्यार्थियों में छुपी हुई प्रतिभा को निखारते हुए उनमें कौशल अभिवृद्धि, सम्प्रेषण कौशल को विकसित करना है।
- असाइनमेंट को पाठ्यक्रम मानकों, सीखने के उद्देश्यों और सीखने के परिणाम के साथ संरेखित (align) करना है।
- असाइनमेंट के द्वारा विशिष्ट कौशल (specific skills) या ज्ञान क्षेत्रों (knowledge domain) का विकास करना है।
- असाइनमेंट के द्वारा विद्यार्थियों में विश्लेषण (analysis), मूल्यांकन (evaluation) एवं नवाचार (innovation) की सोच विकसित हो।
- असाईनमेंट 21वीं सदी के कौशल विकास पर ध्यान केंद्रित करते हुए संचार, सहयोग, डिजिटल साक्षरता, संप्रेषण, अनुसंधान विधियों से संबंधित हो।
- असाइनमेंट व्यक्तिगत और समूह असाइनमेंट का संतुलित मिश्रण हो जिससे सहयोग और पारस्परिक कौशल विकसित करने मे सहायक हो।
- असाईनमेंट स्थानीय समुदायों या पारिस्थितिकी प्रणालियों के साथ सहभागिता को प्रदर्शित करता हों (जैसा कि एनईपी में देशज ज्ञान और स्थानीय संदर्भ पर ध्यान केंद्रित किया गया है)।
- असाईनमेंट में विद्यार्थियों के रचनात्मक अभिवृद्धि के लिए पावरपॉइंट, मल्टीमीडिया, वीडियो एडिटर एवं कैनवा जैसे टूल्स का उपयोग वांछित हों।
- असाइनमेंट को ब्लूम के वर्गीकरण (Bloom's Taxonomy) के साथ संरेखित करें:
  ज्ञान→ समझ→ अनुप्रयोग→ विश्लेषण→ संश्लेषण→ मूल्यांकन

3. <u>असाइनमेंट के प्रकार</u>

- शोध–आधारित परियोजनाएँ **(Research-Based Projects)**
- केस स्टडी विश्लेषण **(Case Study Analysis)**
- सामुदायिक सहभागिता/फील्डवर्क रिपोर्ट **(Community Engagement/ Fieldwork Reports)**
- मूल्य आधारित शिक्षा **(Value based education)**
- पोस्टर प्रस्तुतियाँ, प्रोजेक्ट, परियोजना **(Poster Presentations)**
- समूह असाइनमेंट **(Group Assignments)**
- वृत्तचित्र या साक्षात्कार–आधारित रिपोर्ट **(Documentary or interview-based report)**
- डिजिटल मीडिया असाइनमेंट (जैसे, लघु वीडियो, डॉक्यूमेंटरी निर्माण, आडियों) **(Digital Media Assignments e.g., short videos, documentry, audio)**
- इन्फोग्राफिक्स **(Infrographics)**

4. <u>शिक्षकों की भूमिका</u>

- असाईनमेंट के उद्देश्यों, विभिन्न रचनात्मक पक्षों, विद्यार्थियों द्वारा बनाये गये असाईनमेंट पर टिप्पणी के साथ स्पष्ट और समुचित फीडबैक प्रदान करें।
- शिक्षक केवल मूल्यांकनकर्ता ही नहीं अपितु मार्गदर्शक के रूप में कार्य करें।
- असाईनमेंट का विवरण, प्रदान किये गये अंक इत्यादि का सम्पूर्ण रिकार्ड संधारित करने की जिम्मेवारी संबंधित विषयों के शिक्षकों की है।
- असाईनमेंट के माध्यम से विद्यार्थियों में रचनात्मकता, सम्प्रेषण कला, कौशल विकास, लेखन कौशल इत्यादि का विकास करना हैं।

5. <u>असाइनमेंट में निहित बिंदु</u>

- असाईनमेंट के प्रारूप (जैसे, निबंध, पोस्टर, डिजिटल प्रस्तुति, आदि), लंबाई (शब्द/पृष्ठ संख्या या समय सीमा), नियत तिथि और समय एवं प्रस्तुत करने का तरीका (ऑनलाइन, मुद्रित प्रति, ईमेल, आदि) के संबंध में विद्यार्थियों का पूर्व में ही सूचित करें
- असाईनमेंट विद्यार्थी–केंद्रित होना चाहिए जो आलोचनात्मक सोच **(critical thinking)**, रचनात्मकता **(creativity)** और वैचारिक स्पष्टता **(conceptual clarity)** को बढ़ावा दे।
- असाईनमेंट वास्तविक दुनिया के अनुप्रयोगों **(real world application)** या अंतः विषय प्रासंगिकता **(interdisciplinary relevance)** को प्रतिबिंबित करना चाहिए।

- असाईनमेंट में स्पष्ट शिक्षण परिणाम **(clear learning outcome)** शामिल करना चाहिए (उदाहरण के लिए, विश्लेषण करने, मूल्यांकन करने, बनाने, प्रस्तुत करने की क्षमता)।
- विभिन्न क्षेत्रों (जैसे, विज्ञान को नैतिकता के साथ, साहित्य को इतिहास के साथ, समाजशास्त्र को पर्यावरण के साथ) से ज्ञान के एकीकरण को प्रोत्साहित करें। इसमें संचार, डिजिटल साक्षरता, डेटा विश्लेषण और सहयोग को बढ़ावा देने वाले तत्व शामिल करें।
- असाईनमेंट बहुविषयक दृष्टिकोण **(multidisciplinary approach)** यथा अपने विषय को अन्य विषयों (जैसे, अर्थशास्त्र को पर्यावरण) से जोड़ें।
- असाईनमेंट कौशल विकास, आलोचनात्मक सोच, शोध, डिजिटल साक्षरता, वित्तीय साक्षरता और संचार कौशल को बढावा देते हुए अनुसंधान एवं नवाचार को भी प्रोत्साहित करें।

6. <u>असाइनमेंट चक्र</u>

- घोषणा: उद्देश्य, प्रारूप और नियत तिथि की सूचना प्रदान करना।
- सहायता: यथा संभव संसाधन उपलब्ध कराना एवं मार्गदर्शन सत्र आयोजित करना।
- असाईनमेंट जमा: जमा करने की तिथि सूचित करना।
- मूल्यांकन: मूल्यांकन कर रचनात्मक प्रतिक्रिया प्रदान करें।

7. <u>मूल्यांकन मानदंड</u>

- विषय की समझ **(understanding of the topic)**
- अवधारणाओं का अनुप्रयोग **(application of concepts)**
- मौलिकता और रचनात्मकता **(originality & creativity)**
- बहुविषयक एकीकरण **(multidisciplinary integration)**
- स्पष्टता, संरचना और प्रस्तुति **(clarity, structure & presentation)**

8. <u>असाइनमेंट के प्रकार के उदाहरण</u>

i. Creative Assignments

- Involve artistic expression like videos, artwork, or story telling, survey, models, QR Coding etc.

ii. Presentations

- Oral or visual presentations using tools like Power Point or posters. (individual or group-based)

iii. Essays

- Descriptive Essay: Describes a person, place or a thing.
- Narrative Essay: Tell a story or recount an experience.

- Expository Essay: Explain or inform with facts.
- Persuasive/Argumentative Essay: Argue a point of view with evidence.

iv. Case Study

- Brief analysis of a particular case (e.g., business scenario, patient, legal matter).
- Requires application of theory to real-world examples.

v. Projects

- Can be research-based, creative or practical.
- Shall include multiple components like planning, execution and reporting.

vi. Group Assignments

- Collaborative projects that require teamwork and joint accountability.
- Can be in any format: reports, presentations, models, etc.

vii. Reports

- Lab Reports: Present findings from scientific experiments.
- Business Reports: Formal documentation of business analysis or proposals.
- Technical Reports: In-depth explanation of a process, experiment, or system.

------00------